एक नजर में

तपस्वी अभिनंदन समारोह का आयोजन

इंदौर. आज इंदौर के पश्चिम क्षेत्र में मुकुट मांगलिक भवन गुमास्ता नगर में समाजसेवी सुभाष वन्यायक्या के पुत्र एवं पुत्र वधू के सजोड़े मास खमण तप का अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया था. राजेश जैन युवा ने बताया कि साधु श्रेष्ठ पंडितरत्न पारस मुनिजी महारासा की प्रेरणा और कृपा से सुभाषजी वन्यायक्या के पुत्र अर्पित विनायका एवं बहु भावना विनायका ने गर्म जल के आधार पर 38 और 30 उपवास कर सजोडे मासक्षमण कर जिन शासन का गौरव बढ़ाया. अभिनंदन समारोह को संघ के अध्यक्ष महेश डाकोलिया संघ संघपति बाबूलाल पिपलिया, चेयरमैन राजेंद्र लोढ़ा, अनिल बरडिया, जितेंद्र चोपड़ा एवं समारोह की अध्यक्षता कर रहे अजीतजी ललवानी संबोधित किया किया. तपस्वियों के सम्मान की बोली आयम्बिल की आराधना से की गई. पंडित रत्नपू पारस मुनिजी महारासा एवं तपस्वीराज अभिनंदन मुनिजी ने भी तप की अनुमोदना करते हुए कहा कि मेरा चातुर्मास करना सार्थक हुआ. तपस्वी के सम्मान में साधर्मियों की सेवा करने का बोली का लाभ सीमा चौपड़ा एवं प्रिया जैन को मिला. संचालन सुभाषजी वन्यायक्या ने किया. आभार राकेश डागा ने माना.

विज्ञान दिल बदल सकता है ; उसके भाव नहीं !

इंदौर. विज्ञान दिल बदल सकता है ; दिल के भाव नहीं. प्रसिद्ध लघु कथाकार, लेखक व साहित्यकार डॉ योगेंद्र नाथ शुक्ल ने उपर्युक्त उदगार अपने व्याख्यान में दिए. वे प.म.ब. गुजराती विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत अपना व्याख्यान दे रहे थे. हिंदी दिवस के उपलक्ष में यह कार्यक्रम हिंदी विभाग द्वारा आयोजित किया गया था. जिसका शीर्षक था हिंदी हमारी पहचान. डॉक्टर शुक्ल ने भारतीय संस्कृति का महत्व बताते हुए यह सिद्ध किया कि संस्कृति की संवाहक हमारी भाषा ही होती है वैदिक काल से हमारी भाषाओं ने अपनी शिक्षा, धर्म और संस्कृति का समुचित रूप से संवहन किया है. हमारी हिंदी को बोलने वाले की संख्या तकरीबन 60 करोड़ से ज्यादा हो गई है और आज का भारत वैश्विक नेतृत्व करने की ओर बढ़ रहा है. इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर आर.सी. संघवी प्राचार्य प्रतिनिधि मयूर मोता एवं अन्य प्राध्यापक उपस्थित थे. हिंदी विभागाध्यक्ष डॉक्टर ज्योति सिंह ने शुक्ल जी का जीवन परिचय प्रस्तुत किया. संचालन प्रोफेसर ज्योति फड़के किया.

पीएम का जन्मदिन थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों संग मनाया

इंदौर. विगत 30 वर्षों से कार्यरत थैलेसीमिया एंड चाइल्ड वेलफेयर ग्रुप बच्चों को प्रत्येक विशेष दिन से जोड़कर उनके लिए एक्टिविटी करती है. प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर इनके साथ एक क्विज खेली गई. ग्रुप प्रेसीडेंट डॉ. रजनी भंडारी द्वारा बच्चों से कई प्रश्न पूछे गए जैसे कि प्रधानमंत्री की माताजी का नाम, उनका जन्मस्थान, उनके पिता जी का नाम, वो कब से प्रधानमंत्री है आदि. ये प्रश्न ग्रुप की सुषमा मलिक और पूर्णिमा राउत ने पूछे. उत्तर देने वालो को इनाम दिए गए. सभी को प्रधानमंत्री के बारे में जानकारी दी गई. क्विज में बच्चों के माता-पिता भी उपस्थित थे. सभी को मिठाई और नमकीन के डब्बे बांटे गए. आभार माना संध्या पंचायती ने.

कई बीमारियों में कारगर है रिसेट एप्रोच थैरेपी

इंदौर. फ़िजियोथेरेपी की दुनिया में रिसेट अप्रोच थेरेपी, एक ऐसी चिकित्सा है, जो कई बीमारियों में कारगर है. विशेषकर शारीरिक दर्द, अनिद्रा, माइग्रेन, स्लिप डिस्क में. यह हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है और हमें तनाव मुक्त करती है. इससे हमारा रेस्पीरेटरी सिस्टम भी ठीक रहता है. ये विचार विभिन्न फिजियोथेरेपिस्टो के है, जो उन्होंने फ़िजियोथेरेपिस्ट की 3 दिवसीय वर्कशॉप में व्यक्त किये. इंदौर के वरिष्ठ फ़िजियोथेरेपिस्ट डॉ. महेश साहू ने बताया कि यह आयोजन पुणे में एसडीपीसी की ओर से किया गया था. इस वर्कशॉप में बेल्जियम के डॉ. टॉम मेयर सहित इंदौर, दिल्ली, गुडगाँव, मुंबई, पूना, नागपुर हैदराबाद, देहरादून, पटियाला, लख नऊ आदि शहरों के 32 फ़िजियोथेरेपिस्टो ने भाग लिया. डॉ. साहू ने कहा कि ईश्वर ने हमें ऐसा शरीर दिया है जिसमें सभी अंग अपना काम करते है, जिसे किडनी सफाई करती, लिवर, फेफड़े आदि सभी अपना काम करते है जबकि मनुष्य उसमें असंतुलन पैदा करता है. अगर हम अपनी जीवन शैली में सुधार ले आये तो हम बहुत कम बीमार होंगे. फ़िजियोथेरेपिस्ट डॉ. कृष्णा जलोदिया, डॉ. पूजा गोयल, डॉ. कृति गादिया और डॉ. आस्था सोनी ने भी अपने विचार रखे.

माहेश्वरी विवाह प्रकोष्ठ की वेबसाइट का शुभारंभ

इंदौर. 4 से 6 अक्टूबर तक संपन्न होने वाले 37 वें अ भा माहेश्वरी विवाह योग्य युवा परिचय सम्मेलन के लिए आधुनिकतम मेट्रोमोनियल वेबसाइट का शुभारंभ आज हुआ. माहेश्वरी विवाह प्रकोष्ठ के अध्यक्ष कमल भुराड़िया ने बताया कि इस परिचय सम्मेलन में सभी बायोडाटा ऑनलाइन ही शामिल किए गए हैं. मेट्रोमोनियल वेबसाइट को आधुनिकतम स्वरूप प्रदान किया गया है. संस्था के सचिव कल्याणमल मंत्री ने बताया कि यह वेबसाइट वर्ष भर अभिभावकों को नए बायोडाटा की जानकारी भी देते रहेगी. राम मूंदड़ा एवं संयुक्त मंत्री मनीष बिसानी ने बताया कि जिन प्रत्याशियों का रजिस्ट्रेशन इस परिचय सम्मेलन में हो जाएगा उन्हें पूरे वर्ष भर वेबसाइट की समस्त सेवाएं प्रदान की जाएगी. इस अवसर पर अशोक धूत, रामकृष्ण जाखेटिया, सत्यनारायण बाहेती, पंकज सोनी, सम्मेलन संयोजक दिनेश परवाल, सहसंयोजक पूनम मालपानी एवं रेखा काकानी भी उपस्थित थीं.

इन्दौर प्रेस क्लब अध्यक्ष का सीवायपीसीएम द्वारा सम्मान

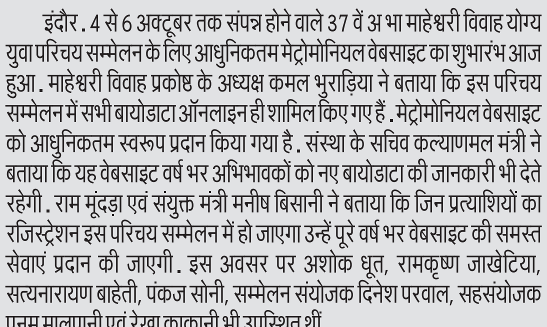

इन्दौर. कम्युनिटी ऑफ युथ फोटोग्राफर और सिनेमेटोग्राफर के प्रतिनिधि प्रेस क्लब अध्यक्ष दीपक कर्दम के विजय प्राप्त करने की खुशी में सम्मिलित होने एवं पदाधिकारियों का सम्मान करने हेतु इन्दौर प्रेस क्लब पहुँचे. सीवायपीसीएम कम्युनिटी से जुड़े मध्यप्रदेश के कई जिलों से आए प्रतिभाशाली फोटोग्राफर्श एवं सिनेमेटोग्राफर्श द्वारा प्रेस क्लब अध्यक्ष और अन्य विजय प्राप्त सम्मानीय सदस्ययों का भी पुष्प हारों से भव्य स्वागत कर बधाई दी. प्रेस क्लब अध्यक्ष दीपक कर्दम ने सीवायपीसीएम कम्युनिटी के सदस्ययों को कहा की भविष्य मे आपके हर आयोजनों मे प्रेस क्लब की सहभागिता होगी. उक्त कार्यक्रम मे मुख्य रूप से मौजूद थे संजय मालवीय, महेश सेंगर, कुलदीप डामोर, दिलीप सिंह, पीयूष खत्री, विवेक आर्य, धीरज वर्मा, अजय माथुर, ओमी केसवानी, जितेंद्र शकवाल आदि.

बायपास पर फिर ट्रैफिक जाम, वाहनों की लंबी कतारें लगी, राहगीर परेशान

इंदौर. गुरुवार सुबह बायपास फिर से भीषण जाम का शिकार हो गया.

अर्जुन बड़ौद गांव के पास हुए इस जाम में ट्रक, बस, कार और अन्य वाहन करीब पाँच घंटे तक फंसे रहे. कई किलोमीटर लंबी वाहनों की कतारें देखने को मिलीं। यह स्थिति अब इंदौर-देवास बायपास पर आम हो चली है, जिससे रोजाना हजारों लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है.

जाम की शुरुआत उस वक्त हुई जब एक ट्रक की कमानी टूट गई और सड़क पर ही खराब हो गया. इससे पीछे आते वाहनों की लंबी लाइन लग गई. वहीं दूसरी तरफ, लगातार हो रही बारिश ने सड़क की हालत और बिगाड़ दी थी. निर्माणाधीन पुल के कारण सड़क पर जगह कम हो गई, जिससे वाहनों की रफ्तार थम गई और धीरे-धीरे जाम कई किलोमीटर तक फैल गया.

औंधे मुँह गिरे सोयाबीन के भाव अन्नदाता किसान की बड़ी मुश्किल

तेल के भाव में व्यापारियों की मुनाफा वसूली जारी

इंदौर. अन्नदाता यानी किसान फिर मुश्किल में हैं. खरीफ की फसल यानी सोयाबीन के भाव औंधे मुँह गिरे हैं. किसानों के तमाम विरोध के बाद भी उनकी फसलों के उचित भाव उन्हें नहीं मिल रहे है. इंदौर की लक्ष्मीबाई मंडी में अच्छी सोयाबीन का भाव 3500 से 3800 तक ओर हल्का माल और गीली सोयाबीन 3000 के अंदर बिक रही है वही पुरानी सुखी सोयाबीन भी 3800 से 4000 बिक रही है. मंडी के व्यापारी आपसी तालमेल बैठाकर बोली लगा रहे हैं. कर्ज से किस्तों के बोझ में दबा किसान इसी भाव अपना माल बेच रहा है. सोयाबीन के भाव निचले स्तर पर होने के बाद भी सोयाबीन तेल के भावों में कोई कमी नहीं सोयाबीन तेल का भाव तेज है. बाजार में 130 रुपए में 850 ग्राम का तेल पाउच बिक रहा है. तेल कंपनियों ने बड़े ही शातिर तरीके से एक लीटर का तेल पाउच जिसमें पहले एक लीटर यानी करीब 900 ग्राम तेल आता था. अब इसे 850 ग्राम का कर दिया है. जबकि सोयाबीन अपने सबसे निचले स्तर पर है.

समर्थन मूल्य पर खरीदे सरकार

संयुक्त किसान मोर्चा केनेता सर्वश्री रामस्वरूप मंत्री, बबलू जाधव चंदन सिंह बड़वाया शैलेंद्र पटेल ने बताया कि जब सोयाबीन 6000 से ऊपर बिक रही थी तब तेल का ये भाव था और अब जब सोयाबीन के आधे रेट हो गए है तब भी तेल के रेट में कमी नहीं है और व्यापारी मुनाफा वसूली कर रहे हैं. वहीं बेचारा किसान जिसने सोयाबीन लगाया वो मुश्किल में है. उन्होंने बताया कि वर्तमान में किसानो की सोयाबीन 2 से 3 कुंतल प्रति बीघा ही बैठ रही है. मुश्किल समय में सरकार को प्रदेश के किसानों की सोयाबीन को समर्थन मूल्य पर खरीदना चाहिए.

भगवान ने जो दिया उसका एक अंश जरूरतमंदों को समर्पित करें

हंसदास मठ तर्पण एवं पितृ मोक्षदायी भागवत अनुष्ठान

समाजसेवी विष्णु बिंदल एवं विजयवर्गीय को सोनी स्मृति अलंकरण

इंदौर. श्राद्ध पक्ष में पूर्वजों के आशीर्वाद और दुआओं का ही नतीजा है कि हम समाज के अंतिम छोर पर खड़े स्वजनों के दुख-दर्द में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त कर रहे हैं. अभिनंदन, सम्मान और स्वागत व्यक्ति को अहंकारी बना देते हैं, लेकिन सदगुरू के सानिध्य में रहकर हम इन बुराईयों से बचते हुए अपने जीवन को परमार्थ और सदभाव में लगा सकें तो यह सबसे बड़ा पुरुषार्थ होगा. भगवान ने हमें जो कुछ दिया है, उसका एक अंश हमें जरूरतमंद और पीड़ित मानवता के लिए अवश्य समर्पित करना चाहिए. निष्काम सेवा से जो आत्म शांति मिलती है, वही हमारी सबसे बड़ी पूंजी होना चाहिए.

ये विचार हैं वरिष्ठ समाज सेवी विष्णु बिंदल के, जो उन्होंने एयरपोर्ट रोड स्थित हंसदास मठ पर श्रद्धा सुमन सेवा समिति की मेजबानी में चल रहे निशुल्क तर्पण अनुष्ठान और पितृ मोक्षदायी भागवत के दिव्य अनुष्ठान में ब्रह्मलीन मोहनलाल सोनी स्मृति सेवा अलंकरण प्राप्त करते हुए व्यक्त किए. इस मौके पर महामंडलेश्वर श्रीमहंत रामचरणदास महाराज, महामंडलेश्वर महंत पवनदास महाराज एवं भागवताचार्य पं. पुष्पानंदन पवन तिवारी के सानिध्य में बिंदल के साथ समाजसेवी हरिनारायण विजयवर्गीय को भी यह अलंकरण प्रदान किया गया. अतिथियों ने शाल-श्रीफल भेंटकर एवं पगड़ी पहनाकर दोनों का सम्मान किया. समिति ने प्रतिवर्ष दो समाजसेवी बंधुओं को स्व. सोनी की स्मृति में यह अलंकरण प्रदान करने का निर्णय लिया है, जो श्राद्ध पक्ष में आयोजित होने वाले तर्पण अनुष्ठान में प्रदान किया जाएगा. स्व. सोनी की श्राद्ध तिथि के उपलक्ष्य में स्कीम 71 स्थित मूक-बधिर संगठन एवं हंसदास मठ तथा अन्य गोशालाओं में भी सेवा कार्य किए गए. प्रारंभ में आयोजन समिति की ओर से अध्यक्ष हरि अग्रवाल, राजेन्द्र सोनी, राजेन्द्र गर्ग, मुरलीधर धामानी, अशोक गोयल, चंद्रप्रकाश गुप्ता, जवाहरलाल शर्मा, विनय जैन, डॉ. चेतन सेठिया, सूरजसिंह राठौड़, हनुमानप्रसाद सारड़ीवाल आदि ने अतिथियों का स्वागत किया.

गोवंश के लिए अन्नकूट

दोपहर में पितृ मोक्षदायी भागवत कथा में भागवताचार्य पं. तिवारी के सानिध्य में नंदोत्सव एवं गोवर्धन पूजा के उत्सव भी धूमधाम से मनाए गए. मुख्य यजमान आनंद प्रकाश-राजकुमारी गुप्ता, त्रिलोकनाथ गुप्ता, शंकरलाल वर्मा, दिलीप साहू, डॉ. महेश गुप्ता, अशोक नामदेव, दिलीप पाल, प्रभा तिवारी, माणकचंद पोरवाल, ए.के. पुंडरिक, गिरधर सोनी, डॉ. महेश गुप्ता, उमेश गेहलोत, मंजू सोनी, छाया वर्मा आदि ने प्रारंभ में व्यासपीठ का पूजन किया. आज कथा शुभारंभ के पूर्व हंसदास मठ स्थित गोशाला पर गोवंश के लिए अन्नकूट का आयोजन भी किया गया, जिसमें गोवंश को फल, सब्जी एवं अन्य व्यंजन परोसे गए. कथा में शुक्रवार को रुक्मणी विवाह का उत्सव मनाया जाएगा.

नर में नारायण के दर्शन की अनुभूति करते रहें तो हमारा भागवत श्रवण सार्थक हो उठेगा : पं. शास्त्री

इंदौर. बर्तन कितना ही सुंदर और कीमती हो, यदि उसमें छिद्र होगा तो उत्तम पदार्थ भी बह जाएगा. जीवन यात्रा में भी ऐसे अनेक छिद्र बनते रहते हैं, जो हमारे सद्‌गुणों को बहा ले जाते हैं. कुसंग से बड़ा कोई छिद्र नहीं होता, लेकिन यदि सत्संग का कवच होगा तो आत्म कल्याण के साधन बचे रहेंगे. सुख और दुख जीवन के क्रम हैं, लेकिन अपनी जरूरतों की पूर्ति के बाद भी हम नर में नारायण के दर्शन की अनुभूति करते रहें तो हमारा भागवत श्रवण सार्थक हो उठेगा.

ये विचार हैं वृंदावन धाम डबरा के कथा भूषण आचार्य पं. कौशल किशोर शास्त्री के, जो उन्होंने श्री नागर चित्तौड़ा महाजन वैश्य समाज की मेजबानी में श्राद्ध पक्ष में विश्वकर्मा नगर, अन्नपूर्णा क्षेत्र स्थित मांगलिक भवन पर गत 11 सितम्बर से चल रहे भागवत ज्ञान यज्ञ की पूर्णाहुति प्रसंग पर व्यक्त किए. इस अवसर पर अभा नागर चित्तौड़ा वैश्य महाजन समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र महाजन, सचिव गिरधर गुप्ता, मालवांचल के अध्यक्ष गोपाल मेहता, सचिव राजेश महाजन, संयोजक प्रहलाद दास मेहता, गिरीश गुप्ता, धर्मेन्द्र गुप्ता, प्रवीण कश्यप, अशोक हेतावल, किशोर गुप्ता, नरेन्द्र अकोतिया, प्रकाश गुप्ता तथा उज्जैन से आए दिनेश महाजन, देवास के अशोक गुप्ता, राजेश गुप्ता, उदयनगर के दुर्गेश महाजन, पीपरी के गिरधर गुप्ता, सोनकच्छ के शैलेन्द्र अगस्त आदि ने विद्वान वक्ता का शाल-श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मान किया. सुबह यज्ञ-हवन एवं पूजा-अर्चना के साथ पूर्णाहुति हुई. समापन प्रसंग पर भागवतजी को शोभायात्रा के रूप में विश्वकर्मा नगर मांगलिक भवन से डॉ. चंद्रशेखर गुप्ता के निवास तक ले जाया गया.

धर्म-अध्यात्म में इंदौर आगे

पं. शास्त्री ने कहा कि इंदौर स्वच्छता में तो नंबर वन है ही, धर्म और अध्यात्म के क्षेत्र में भी इंदौर का नाम पूरे देश में सबसे आगे है. जितने कथा-भागवत और अन्य अनुष्ठान इंदौर में होते हैं, उतने तो किसी तीर्थ धाम पर भी नहीं होते. पूरे देश में इंदौर की साख और प्रतिष्ठा निरंतर बढ़ रही है तो यह विरासत में मिले हमारे संस्कारों का नतीजा है.

इस बार रावण नहीं, शूर्पणखा का होगा दहन

11 अपराधी महिलाओं के चेहरे होंगे शामिल

संस्था पौरुष ने की अनोखी पहल

नव भारत न्यूज

इंदौर. इस बार दशहरे पर शहर में अनोखा आयोजन देखने को मिलेगा. रावण दहन की परंपरा को अलग रूप देते हुए संस्था पौरुष ने घोषणा की है कि इस बार रावण का नहीं बल्कि 11 मुखों वाली शूर्पणखा का दहन किया जाएगा. इन मुखों में उन महिलाओं के चेहरे शामिल होंगे, जिन्होंने समाज को शर्मसार करने वाले अपराधों को अंजाम दिया. संस्था के अशोक दशोरा ने बताया कि आयोजन का मकसद यह संदेश देना है कि बुराई चाहे किसी भी रूप में हो, उसका अंत होना जरूरी है. इसके लिए पोस्टर भी जारी किए गए हैं, जिन पर लिखा है मॉडर्न कलयुगी शूर्पणखाएं. ये पोस्टर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं और अब शहर की सड़कों पर ऑटो, मैजिक और अलाउंस के जरिए भी प्रचार किया जाएगा. संस्था ने बताया कि दशहरे के दिन शाम 6.30 बजे महालक्ष्मी नगर मेला ग्राउंड पर शूर्पणखा दहन किया जाएगा. इससे पहले मेला ग्राउंड से बाम्बे हॉस्पिटल तक ढोल-नगाड़ों और झांकियों के साथ शूर्पणखा व उसकी सेना का जुलूस निकाला जाएगा. इस आयोजन में रघुवंशी समाज के लोग भी शामिल होंगे. आयोजकों का कहना है कि परंपरा बदलने का उद्देश्य केवल यह बताना है कि बुराई किसी भी रूप में हो चाहे पुरुष हो या महिला उसका अंत होना अनिवार्य है.

यह शामिल होंगी 11 कलियुगी शूर्पणखाएं...

पुतले में उन 11 महिलाओं के चेहरे दिखाए जाएंगे, जो विभिन्न आपराधिक मामलों में चर्चित रही हैं. इनमें सोनम रघुवंशी, नीले ड्रम कांड की मुस्कान, हर्षा, निकिता सिंघानिया, सुष्मिता, रविता, शशि, सूचना सेठ, हंसा, चमन उर्फ गुड़िया और प्रियंका के नाम शामिल हैं.

धूमधाम से निकला भगवान विश्वकर्मा का चल समारोह

इंदौर. श्री गौड़ मालवीया बढ़ई सुतार समाज इंदौर के तत्वावधान में शहर के नंदबाग क्षेत्र में भगवान विश्वकर्मा का भव्य चल समारोह गाजे-बाजे के साथ धूमधाम से निकाला गया.

चल समारोह के समापन पर पूजा महोत्सव और भंडारा भी हुआ. इस अवसर पर आयोजित समारोह में समाज की प्रतिभाओं के सम्मानित करने के साथ बाहर से आए अतिथियों को स्मृति चिन्ह भी भेंट किए गए.

भगवान विश्वकर्मा के चल समारोह का जगह-जगह स्वागत भी किया गया. दो-तीन रथों में भगवान की प्रतिमाओं के साथ एक अलग से पालकी भी सजाई गई थी.

समारोह में नर्मदांचल बढ़ई सुतार समाज के संस्थापक अनिल मालवीया की ओर से समारोह में आए समस्त समाजजनों को भगवान विश्वकर्मा की तस्वीर भेंट की गई. उनकी तरफ से स्थानीय पदाधिकारियों का शाल श्रीफल से सम्मानित किया गया.

समाज की प्रतिभा डॉ. विद्या मालवीय को उनकी उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया. स्थानीय अध्यक्ष गौरीशंकर मालवीया ने स्वागत भाषण दिया. समारोह को नर्मदांचल सुतार समाज के संस्थापक अनिल मालवीया, प्रांतीय अध्यक्ष रामगोपाल मालवीया, प्रांतीय सचिव राधेश्याम मालवीया, विनोद जेतपुरिया, महेश मालवीया, प्रदीप मालवीया, रामभरोस मालवीया, गौड़ मालवीया ब्राह्मण महासभा के प्रांतीय अध्यक्ष विनोद मालवीय (भोपाल), कन्हैयालाल मालवीय आदि ने संबोधित किया. संचालन विनोद कारपेंटर ने किया. आभार श्री गौड़ मालवीय सुतार समाज इंदौर के कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश मालवीया (खारदावाले) ने माना.

एक नजर में | हिन्दी पखवाड़ा के अन्तर्गत शासकीय महाविद्यालय राऊ में विद्यार्थियों के लिए कार्यक्रम

पॉजिटिव सोच व संतुलित जीवनशैली है स्वास्थ्य का मंत्र : डॉ. द्विवेदी

इंदौर. शासकीय महाविद्यालय गुरुकुल परिसर, राऊ में आयोजित विशेष परिसंवाद का आयोजन हुआ. इसमें वरिष्ठ होम्योपैथी चिकित्सक एवं प्रांत संयोजक (शिक्षा-स्वास्थ्य), मालवा प्रांत, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली, डॉ. ए.के. द्विवेदी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में सकारात्मक सोच और संतुलित जीवनशैली ही स्वास्थ्य का असली मंत्र है.

हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत विशेष परिसंवाद कार्यक्रम में डॉ. द्विवेदी बतौर मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे. उनका स्वागत प्रभारी प्राचार्य डॉ. डी.सी. राठी ने किया. डॉ. द्विवेदी ने कहा कि असंतुलित दिनचर्या, देर रात तक जागना, मोबाइल-टीवी पर अधिक समय बिताना, जंक फूड का सेवन, व्यायाम की कमी और तनाव जैसी आदतें शरीर को अंदर से कमजोर कर देती हैं. यही कारण है कि मधुमेह, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, गैस्ट्राइटिस, अनिद्रा, माइग्रेन, ऑस्टियोपोरोसिस, एनीमिया, पाइल्स, फिशर-फिस्टुला, पथरी, वेरिकोज वेन्स, स्लिप डिस्क और स्पॉन्डिलाइटिस जैसी बीमारियाँ तेजी से बढ़ रही हैं. उन्होंने कहा कि इन बीमारियों में होम्योपैथी पद्धति से किया गया उपचार बेहद प्रभावी है. माइग्रेन, पाइल्स, फिस्टुला, पथरी और स्पॉन्डिलाइटिस जैसे मामलों में बिना सर्जरी राहत संभव है. डॉ. द्विवेदी ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे संतुलित आहार लें, नियमित व्यायाम करें, पर्याप्त नींद लें, सकारात्मक सोच बनाए रखें तथा धूम्रपान और शराब जैसी हानिकारक आदतों से दूरी बनाए रखें. उन्होंने छात्रों से शपथ दिलवाई कि वे आज से ही जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएंगे, मानसिक, शारीरिक और सामाजिक रूप से स्वस्थ रहेंगे तथा समाजकल्याण में योगदान देकर भारत का नाम रोशन करेंगे.

विजेता हुए पुरस्कृत

इस अवसर पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता एवं स्लोगन प्रतियोगिता के विजेताओं को डॉ. द्विवेदी ने प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया. निबंध प्रतियोगिता में अजय डोडवा (प्रथम), रश्मि पटेल (द्वितीय) और राजकुमार श्री सम्राट (तृतीय) रहे. वहीं स्लोगन प्रतियोगिता में ममता कुशवाहा (प्रथम), रश्मि पटेल (द्वितीय) और पुष्पांजलि पाण्डेय (तृतीय) स्थान पर रहीं. संचालन एवं संयोजन डॉ. श्वेता हार्डिया (भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ प्रभारी) ने किया. सह-संयोजक डॉ. सीताराम अनारे ने आभार माना. वहीं डॉ. निकिता कर्मा, डॉ. ग़ाल सिंह ठाकुर एवं डॉ. कुसुम वास्केल ने सदस्य के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई.